पाठ - 8
प्रायश्चित

1. नीचे गुरूमुखी और देवनागरी लिपि में दिये गये शब्दों को पढें और हिंदी शब्दों को लिखने का अभ्यास करें -

1. ਲੱਕੜੀਆਂ = **लकड़ियाँ**
2. ਦੁਪਹਿਰ = **दोपहर**
3. ਗਵਾਲਾ, ਦੋਧੀ = **ग्वाला**
4. ਗੰਗਾ ਯਮੁਨਾ = **गंगा-यमुना**
5. ਨਿਆਂ = **न्याय**
6. ਜੁਰਮਾਨਾ = **जुर्माना**
7. ਇਕੱਠਾ = **इकट्ठा**
8. ਮੁਖੀਆ = **मुखिया**
9. ਕੋਈ = **कोई**
10. ਸਹਿਮਤ = **सहमत**

2. नीचे एक ही अर्थ के लिए पंजाबी और हिंदी भाषा में शब्द दिये गये हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और हिंदी शब्दों को लिखें -

1. ਸ਼ਿਵ ਜੀ ਦਾ ਮੰਦਰ = **शिवालय**
2. ਜਾਣਕਾਰੀ = **ज्ञान**
3. ਪਿਛਲੇ ਪਾਸੇ = **पिछवाड़े**
4. ਪਹਿਲਾਂ = **पूर्व**
5. ਅਚਾਨਕ = **सहसा**
6. ਗ਼ੁਲਾਲ = **अबीर**
7. ਮੰਨ ਗਏ = **सहमत हो गए**
8. ਇਕੱਠੇ = **एकत्र**
9. ਬੁਰੇ ਕੰਮ ਦਾ ਪਛਤਾਵਾ = **प्रायश्चित**
10. ਰੰਗਾਂ ਨਾਲ ਹੋਲੀ ਖੇਡਣ ਦਾ ਦਿਨ = **रंग-पंचमी**
11. ਮੰਨ ਲੈਣਾ = **शिरोधार्य करना**

12. ਦੁਬਾਰਾ = पुनः

13. ਮਾਂ-ਪਿਓ ਜਾਂ ਪਾਲਣਾ = अभिभावक, माता-पिता,
ਕਰਨ ਵਾਲੇ ਵਿਅਕਤੀ देखरेख करने वाले

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में लिखें -

प्र - (क) बच्चों ने किस त्योहार के अवसर पर लकड़ियाँ जलाई ?
उ - (क) बच्चों ने होली के त्योहार के अवसर पर लकड़ियाँ जलायीं ।

प्र - (ख) बच्चों ने होली कहाँ मनायी ?
उ - (ख) बच्चों ने गाँव के शिवालय के करीब खुले मैदान में होली मनायी।

प्र - (ग) गोपू कैसे गुजारा करता था ?
उ - (ग) गोपू उपले बेचकर गुजारा करता था ।

प्र - (घ) शरारती लड़कों ने किसके घर से उपले चुराये ?
उ - (घ) शरारती लड़कों ने गोपू के घर से उपले चुराये ।

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर तीन-चार वाक्यों में दें -

प्र - (क) क्या आप मुखिया द्वारा बच्चों को दी गई सज़ा से सहमत हैं? क्यों
उ - (क) हाँ जी, हम मुखिया द्वारा बच्चों को दी गई सज़ा से पूरी तरह से सहमत हैं। इस सज़ा से बच्चों को अपनी गलती का एहसास हुआ और उन्होंने प्रायश्चित किया। बच्चों को समझ आ गया कि खेल ही खेल में जो उपले उन्होंने होली में जला दिए थे, उनको बनाने में कितना पसीना बहाना पड़ता है और कितनी मेहनत करनी पड़ती है।

प्र - (ख) गोपू का चेहरा प्रसन्नता से क्यों खिल उठा ?

उ - (ख) जब गोपू ने मुखिया को अपनी आपबीती सुनाई तो मुखिया जी ने उसे कहा चिंता न करो, तुम्हें न्याय जरूर मिलेगा। इसके बाद मुखिया ने शरारती बच्चों को दोपहर तक गोपू के सारे उपले तैयार करने के लिए कहा। ऐसा न करने पर बच्चों के अभिभावकों को सौ-सौ रुपये जुर्माना देना पड़ेगा। बच्चों ने दोपहर तक गोपू को उपले तैयार करके दिए और अपनी गलती पर पश्चाताप किया। मुखिया जी के ऐसे सुंदर न्याय को देखकर गोपू का चेहरा खिल उठा।

5. नीचे मुहावरों के अर्थ दिए गए हैं, उनका वाक्य में प्रयोग करो -

1. मैदान साफ़ नज़र आना-(कोई चीज़ बाकी न बचना)-जब गोपू खाली टोकरी लेकर उपले बटोरने पिछवाड़े आया तो उसे सारा मैदान साफ़ नज़र आया।
2. नयनों से गंगा यमुना बहाना-(रोने के कारण आँखों से खूब आँसू बहना) गोपू नयनों से गंगा-यमुना बहाते हुए अपनी आपबीती मुखिया जी को सुनाने लगा।
3. दिमाग दौड़ाना-(गहराई से सोचना)-गोपू के नुकसान को पूरा करने के लिए मुखिया जी ने दिमाग दौड़ाया।
4. आँसुओं से हाथ भिगोना-(किसी को बिना कारण दुख देकर खुश होना) होली के दिन बच्चे किसी के आँसुओं से हाथ भिगोकर होली नहीं खेलना चाहते थे।

5. जुट जाना-(पूरी तरह लग जाना)- सभी बच्चे उपले बनाने में जुट गए।

6.पसीना बहाना-(कड़ी मेहनत करना)- बच्चों ने उपले बनाने में खूब पसीना बहाया।

7. चेहरा खिल उठना-(बहुत खुश हो जाना)- मुखिया जी के न्याय को देख कर गोपू का चेहरा खिल उठा।

प्रयोगात्मक व्याकरण

1. वाक्यों में कुछ रेखांकित शब्द हैं। उनके स्थान पर नीचे दिए गए समान अर्थ वाले शब्दों को चुनकर वाक्य फिर से लिखें -

[मेहनत, विद्यालय, अंदर, राज़ी, झोंपड़ी, इंसाफ, अचानक, फिक्र, निर्धन, अग्नि]

(क) आज दोपहर पाठशाला से घर लौटते हुए उसने ग्वाले की कुटिया के पिछवाड़े उपलों के ढ़ेर देखे।

(क) आज दोपहर विद्यालय से घर लौटते हुए उसने ग्वाले की झोंपड़ी के पिछवाड़े उपलों के ढ़ेर देखे।

(ख) गोपू कुटिया के भीतर सो गया।

(ख) गोपू कुटिया के अंदर सो गया।

(ग) तुम चिंता न करो, तुम्हें न्याय ज़रूर मिलेगा।

(ग) तुम फिक्र न करो, तुम्हें इंसाफ ज़रूर मिलेगा।

(घ) गरीब ग्वाले के परिश्रम से बनाए गए उपले, यह होनहार बच्चे होली की आग में झोंक आये हैं।

(घ) निर्धन ग्वाले के मेहनत से बनाए गए उपले, यह होनहार बच्चे होली की अग्नि में झोंक आये हैं।

(ड़) वे सभी सहमत हो गए।

(ड़) वे सभी राज़ी हो गए।

(च) शरारती बुधवा को गोपू के उपले सहसा याद हो आये।

(च) शरारती बुधवा को गोपू के उपले अचानक याद हो आये।

2. नीचे कुछ शब्द घुल-मिल गए हैं। उन्हें अलग-अलग करके उचित खाने में लिखिये -

होली, मैदान, गोपू, बुधवा, पाठशाला, कुटिया, उत्साह, पैसे, गंगा, यमुना, गरीबी, टोकरी, गुलाल, बादल, प्यार, न्याय, उपले, मित्र, मेहनत, गुस्सा।

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा = गोपू, बुधवा, गंगा, यमुना, उपले

(ख) जातिवाचक संज्ञा = होली, मैदान, पाठशाला, कुटिया, मित्र, टोकरी, बादल, पैसे, गुलाल

(ग) भाववाचक संज्ञा = गुस्सा, उत्साह, गरीबी, प्यार, न्याय, मेहनत

3. नीचे लिखे पंजाबी वाक्यों के बदले अपने पाठ से छाँट कर हिंदी वाक्य लिखें -

(क) ਮੈਂ ਕਿਸੇ ਦਾ ਕੀ ਵਿਗਾੜਿਆ ਸੀ, ਕਿ ਏਨੀ ਮਿਹਨਤ ਨਾਲ ਬਣਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਢੇਰ ਸਾਰੀਆਂ ਪਾਥੀਆਂ ਇੰਝ ਗਾਇਬ ਕਰ ਦਿਤੀਆਂ ਗਈਆਂ।

(क) मैंने किसी का क्या बिगाड़ा था, जो इतनी मेहनत से बनाए गए ढेर सारे उपले ऐसे गायब कर दिए गए।

(ਖ) ਉਹ ਪਾਥੀਆਂ ਵੇਚਣ ਲਈ ਨੇੜੇ ਦੇ ਸ਼ਹਿਰ ਵੱਲ ਗਿਆ ਹੋਇਆ ਸੀ।

(ख) वह उपले बेचने के लिए पास के शहर में गया हुआ था।

(ਗ) ਇਸ ਬਾਲ ਮੰਡਲੀ ਨਾਲ ਅਸੀਂ ਵੀ ਹੋਲੀ ਖੇਡ ਲਈਏ।

(ग) इस बाल मंडली के साथ हम भी होली खेल लें।

(ਘ) ਮੁਖੀਆ ਜੀ ਦਾ ਇੰਨਾ ਸੋਹਣਾ ਨਿਆਉਂ ਵੇਖ ਕੇ ਗੋਪੂ ਦਾ ਚਿਹਰਾ ਖੁਸ਼ੀ ਨਾਲ ਖਿੜ ਪਿਆ।

(घ) मुखिया जी का इतना सुंदर न्याय देखकर गोपू का चेहरा प्रसन्नता से खिल उठा।

4. नीचे लिखे शब्दों में अक्षरों को उलट-पुलट कर एक नया सार्थक शब्द लिखें -

(क) सब = बस

(ख) रहा = हार

(ग) मना = नाम

(घ) सबने = बसने

(ड़) सहसा = साहस

(च) करीब = बरीक

प्रस्तुति:
वीरपाल शर्मा,
हिंदी शिक्षिका,
सरकारी मिडल स्मार्ट स्कूल,
बाह्मणिआँ
जालंधर ।

शिक्षा विभाग , पंजाब

मार्गदर्शक
डॉ. सुनील बहल
स्टेट रिसोर्स पर्सन (हिंदी व पंजाबी)

प्रस्तुति:
वीरपाल शर्मा,
हिंदी शिक्षिका,
सरकारी मिडल स्मार्ट स्कूल,
बाहूमणिआँ
जालंधर ।

संशोधक:
पंकज माहर,
हिंदी अध्यापिका,
स.मॉ.सी.से.स्कूल,
लाडोवाली रोड,
जालंधर ।

संयोजक:
राजन,
हिंदी शिक्षक,
सरकारी माध्यमिक पाठशाला,
लोहारका कलाँ,
अमृतसर ।